NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 4

Chapter Name : दीवानो की हस्ती

Q1 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

Answer. कवि अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहता हैं क्योंकि वह जहाँ भी जाता हैं, वहाँ मस्ती का आलम हो जाता हैं| वह नई जगह पर जाकर लोगों में ख़ुशियाँ बाँटता हैं | लेकिन वहाँ से जाते समय उसे दुःख होता हैं और आँखों में आँसू आ जाते हैं | इसलिए जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' कहा है |

Page: 21, Block Name : कविता से

Q2 भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटानेवाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

Answer. कवि ने इस दुनिया में लोगों को अपनी इच्छा अनुसार प्यार दिया| लेकिन उसे बदले में वो प्यार और खुशियाँ नहीं मिली, जिसकी उसे अपेक्षा थी| इसलिए उसके हृदय पर असफलता का भार हैं और वह प्रसन्न नहीं हैं|

Page: 21, Block Name : कविता से

Q3 कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी?

Answer - इस कविता में कवि जीवन जीने का स्वछंद तरीका हैं वह बहुत ही सकारात्मक हैं| कवि अपने जीवन में सुख और दुःख दोनों को समान भाव से देखता हैं|

Page : 21, Block Name : कविता से

Q4जीवन में मस्ती होनी चाहिए, लेकिन कब मस्ती हानिकारक हो सकती है ? सहपाठियों के बीच चर्चा कीजिए |

Answer. जीवन में मस्ती होनी चाहिए, लेकिन मस्ती तब हानिकारक हो सकती है जब उससे किसी का कोई नुकसान हो या किसी को चोट पहुँचे | कई बार हम अपनी मस्ती में भूल जाते है कि इससे किसी व्यक्ति के मन पर क्या प्रभाव होगा | कई बार हम मस्ती में जानवरों या पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुँचा देते है जो कि गलत हैं |

Page: 21, Block Name : कविता से आगे

Q5 एक पंक्ति में कवि ने यह कहकर अपने अस्तित्व को नकारा है कि "हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ, कल वहाँ चले।" दूसरी पंक्ति में उसने यह कहकर अपने अस्तित्व को महत्त्व दिया है कि "मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उड़ाते जहाँ चले।" यह फाकामस्ती का उदाहरण है। अभाव में भी खुश रहना फाकामस्ती कही जाती है। कविता में इस प्रकार की अन्य पंक्तियाँ भी हैं उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और अनुमान लगाइए कि कविता में परस्पर विरोधी बातें क्यों की गई हैं ?

Answer. विरोधाभास वाली काव्य-पंक्तियाँ:-

(i) आए बनकर उल्लास अभी,आँसू बनकर बह चले अभी।

aglasem.com

(यहाँ उल्लास भी है और आँसू भी है) कवि सुख- दुख को समान भाव से लेता है।

(ii) हम भिखमंगों की दुनिया में, स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले।

(यहाँ भिखमंगों का उल्लेख है और लुटाना भी है) कवि दूसरों को प्यार व खुशियाँ देकर खुद बिना कुछ लिए चला जाता है।

(iii) हम स्वयं बँधे थे और स्वयं, हम अपने बंधन तोड़ चले।

(यहाँ स्वयं बंधकर फिर स्वयं अपने बंधनो को तोड़ने की बात की गई है।)

Page: 22, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q6 संतुष्टि के लिए कवि ने 'छककर' 'जी भरकर' और 'खुलकर' जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। इसी भाव को व्यक्त करनेवाले कुछ और शब्द सोचकर लिखिए, जैसे -हँसकर, गाकर।

Answer - लुटाकर

रोकर

मुस्कुराकर

मस्त होकर

Page : 22, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com